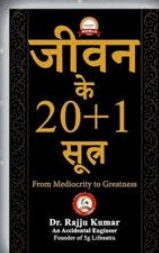


A WEEK OF WISDOM?

(Reflections of an Accidental Engineer)

Dr. Rajju Kumar
An Accidental Engineer



True wealth is not counted in coins or bank balances,
but in the wisdom that illuminates the path of life.
Are you a billionaire of the mind and spirit?

Inspiration • Motivation • Purpose • Meaning

A WEEK OF WISDOM

Reflections of an Accidental Engineer

डॉ. रज्जू कुमार

आकस्मिक अभियंता की साप्ताहिक प्रेरणा

An Accidental Engineer

True wealth is not counted in coins or
bank balances,
but in the wisdom that illuminates the
path of life.

Are you a billionaire of the mind
and spirit?

सच्चा धन सिक्कों या बैंक बैलेंस में नहीं गिना जाता, बल्कि
उस ज्ञान में, जो जीवन के मार्ग को प्रकाशित करता है।

क्या आप मन और आत्मा के अरबपति हैं?

Inspiration • Motivation • Purpose • Meaning

प्रेरणा • अभिप्रेरणा • उद्देश्य • अर्थ

Introduction

परिचय

These seven expanded reflections emerge from the quiet notes of an accidental engineer — a seeker who discovered that the most profound wealth lies not in what we accumulate, but in what we understand and how we apply it.

Dr. Rajju Kumar invites you on a week-long journey of inspiration, motivation, finding purpose, and searching for meaning within yourself. Each day offers deeper insight drawn from lived observation, classical wisdom, and the practical mind of an engineer who never stopped learning.

Read one page each morning. Let the English and Hindi speak side by side. Carry one thought — and one quote — through the day.

ये सात विस्तारित चिंतन एक आकस्मिक अभियंता के शांत नोट्स से उत्पन्न हुए हैं — एक खोजकर्ता जिसने जाना कि सबसे गहरा धन वह नहीं है जो हम इकट्ठा करते हैं, बल्कि वह है जो हम समझते हैं और उसे लागू करते हैं।

डॉ. राजू कुमार आपको प्रेरणा, अभिप्रेरणा, उद्देश्य खोजने और स्वयं में अर्थ की तलाश की एक सप्ताह लंबी यात्रा पर आमंत्रित करते हैं। प्रत्येक दिन जीवित अवलोकन, शास्त्रीय ज्ञान और एक अभियंता के व्यावहारिक मन से निकली गहरी अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

प्रत्येक सुबह एक पृष्ठ पढ़ें। अंग्रेजी और हिंदी को साथ-साथ बोलने दें।

एक विचार — और एक उद्धरण — को पूरे दिन साथ ले जाएँ।

“The unexamined life is not worth living.” — Socrates

“अपरीक्षित जीवन जीने योग्य नहीं है।” — सुकरात

Day 1

Wealth Versus Wisdom
धन बनाम ज्ञान



<p>Supporting Insight A study of 233 wealthy individuals found that 88% read 30+ minutes daily for self-improvement, compared to only 2% of those in financial hardship. Knowledge compounds faster than money.</p>	<p>सहायक अंतर्दृष्टि 233 धनी व्यक्तियों के अध्ययन में पाया गया कि 88% प्रतिदिन 30+ मिनट आत्म-सुधार के लिए पढ़ते हैं, जबकि वित्तीय कठिनाई वालों में केवल 2%। ज्ञान धन से तेजी से गुणित होता है।</p>
<p>Although biologically I am a son of Lakshmi — the symbol of material wealth — in spirit I remain a devoted follower of Saraswati, the goddess of wisdom and learning.</p> <p>I once read of a great thinker who declared with quiet certainty: if he had money, he would first buy books. Only if money remained would he purchase food, and only then clothes. This was not poverty of desire, but richness of priority.</p> <p>What a beautiful ordering of life! In the same spirit, I consider myself a billionaire — not in the currency of Lakshmi's gold, but in the boundless, compounding riches of Saraswati's knowledge. Money can be lost in a day; understanding, once earned, multiplies forever.</p>	<p>यद्यपि जैविक रूप से मैं लक्ष्मी — भौतिक धन की प्रतीक — का पुत्र हूँ, परंतु आत्मा से मैं सरस्वती, ज्ञान और विद्या की देवी, का समर्पित भक्त हूँ।</p> <p>मैंने एक महान विचारक के बारे में पढ़ा था, जिन्होंने शांत विश्वास के साथ कहा: यदि उनके पास धन हो, तो वे पहले पुस्तकें खरीदेंगे। यदि धन बचे, तभी भोजन, और उसके बाद वस्त्र। यह इच्छा की गरीबी नहीं, बल्कि प्राथमिकता की समृद्धि थी।</p> <p>कितना सुंदर जीवन-क्रम! उसी भावना में, मैं स्वयं को अरबपति मानता हूँ — लक्ष्मी के स्वर्ण की मुद्रा में नहीं, बल्कि सरस्वती के असीम, गुणित होने वाले ज्ञान-धन में। धन एक दिन में खो सकता है; समझ, एक बार अर्जित होने पर, सदैव बढ़ती है।</p> <p>व्यक्ति का सच्चा मापदंड बैंक खाते का आकार नहीं, बल्कि मन के भीतर पुस्तकालय की गहराई और वह स्पष्टता है जिससे वह पुस्तकालय जीवन की सेवा में उपयोग किया जाता है।</p>

The true measure of a person is not the size of the bank account, but the depth of the library within the mind and the clarity with which that library is used to serve life.

Are you a billionaire of wisdom?

क्या आप ज्ञान के अरबपति हैं?

“An investment in knowledge pays the best interest.” — Benjamin Franklin

“ज्ञान में निवेश सबसे अच्छा ब्याज देता है।” — बेंजामिन फ्रैंकलिन

Reflection: What is the first thing you would buy if money arrived tomorrow?

चिंतन: यदि कल धन आ जाए, तो आप सबसे पहले क्या खरीदेंगे?

Day 2

The Wisdom of the Next Generation

अगली पीढ़ी की बुद्धिमत्ता



It is a profound and humbling moment of realization when you discover you are no longer able to teach your own child — or any child — something they seem to grasp almost instinctively. The roles reverse without ceremony.

यह एक गहन और विनम्र अहसास का क्षण है जब आप जानते हैं कि अब आप अपने बच्चे — या किसी भी बच्चे — को वह नहीं सिखा सकते जो वे लगभग सहज रूप से समझ लेते हैं। भूमिकाएँ बिना किसी समारोह के पलट जाती हैं।

In the age of smart televisions, smart mobiles, and devices that think, calculate, and remember, the generation itself has become smart. Tools that once extended human capacity now sometimes outpace it.

There is a famous story that captures this truth with elegant simplicity. A father, busy watching cricket, was asked by his young son for a cricket bat. In a quick, almost clerical manner, the father tore a newspaper page showing the map of India and challenged the six-year-old to reassemble it. The boy finished in five minutes.

How? On the reverse side was a picture of a famous person. The child simply assembled the person correctly — knowing that if the man was right, the map of India would be right too. What looked like a complex puzzle to the adult was a straightforward matching task to the child.

The son was smarter in his own way. Sometimes the teacher must become the student. Humility is the first requirement of continued learning.

स्मार्ट टेलीविजन, स्मार्ट मोबाइल और सोचने, गणना करने और याद रखने वाले उपकरणों के युग में, पीढ़ी स्वयं स्मार्ट हो गई है। जो उपकरण कभी मानव क्षमता को बढ़ाते थे, अब कभी-कभी उससे आगे निकल जाते हैं।

एक प्रसिद्ध कहानी इस सत्य को सुंदर सरलता से दर्शाती है। क्रिकेट देखते हुए व्यस्त पिता से छोटे बेटे ने क्रिकेट बैट माँगा। पिता ने जल्दी में, लगभग क्लर्क की तरह, एक अखबार का पन्ना फाड़ दिया जिस पर भारत का नक्शा था और छह साल के बच्चे को उसे जोड़ने की चुनौती दी। बच्चे ने पाँच मिनट में पूरा कर दिया।

कैसे? दूसरी ओर एक प्रसिद्ध व्यक्ति का चित्र था। बच्चे ने बस व्यक्ति को सही जोड़ा — यह जानते हुए कि यदि व्यक्ति सही है, तो भारत का नक्शा भी सही होगा। जो वयस्क को जटिल पहेली लगा, वह बच्चे के लिए सरल मिलान का कार्य था।

बेटा अपने तरीके से अधिक स्मार्ट था। कभी-कभी शिक्षक को विद्यार्थी बनना पड़ता है। निरंतर सीखने की पहली आवश्यकता विनम्रता है।

“The child is the father of the man.” — William Wordsworth

“बच्चा मनुष्य का पिता है।” — विलियम वर्ड्सवर्थ

Reflection: What can you learn today from someone younger?

चिंतन: आज आप किसी छोटे से क्या सीख सकते हैं?

Day 3**Sequence is Everything****क्रम सबसे महत्वपूर्ण है****Planning Principle**

In complex projects, effective teams often allocate 80-95% of effort to planning and design, and only 5-20% to execution. Measuring twice prevents costly rework.

योजना सिद्धांत

जटिल परियोजनाओं में प्रभावी टीमों अक्सर 80-95% प्रयास योजना और डिजाइन में, और केवल 5-20% निष्पादन में लगाती हैं। दो बार नापने से महंगे पुनःकार्य से बचाव होता है।

There is a famous proverb of the carpenter: Measure twice, cut once. In engineering, in business, and in life, the order of operations determines whether effort creates value or waste.

I have written many books — some published, some still resting quietly in notebooks — all born from the deliberate discipline of study, reading, and deep thinking. These activities are not optional luxuries; they are the essential foundation.

In any worthwhile project, 95% of the time belongs to planning and only 5% to execution. The classic 20:80 principle still holds with quiet power: a small percentage of rightly sequenced actions produces the majority of lasting results.

The path to success follows a clear and non-negotiable sequence:

- **Begin by doing (even if the first attempts are imperfect)**
- **Gain lived experience**
- **Receive honest feedback**
- **Make the refined right decision**
- **And only then... arrive at the destination**

Skip or reverse the sequence, and the destination remains forever distant, no matter how hard one works.

एक प्रसिद्ध कहावत है बढ़ई की: दो बार नापो, एक बार काटो। अभियांत्रिकी में, व्यवसाय में, और जीवन में, कार्यों का क्रम यह तय करता है कि प्रयास मूल्य सृजित करे या अपव्यय।

मैंने अनेक पुस्तकें लि

खी हैं — कुछ प्रकाशित, कुछ अभी भी नोटबुक्स में शांत विश्राम कर रही हैं — सब अध्ययन, पठन और गहन चिंतन की जानबूझकर की गई अनुशासन से जन्मीं। ये गतिविधियाँ वैकल्पिक विलास नहीं; ये आवश्यक आधार हैं।

किसी भी सार्थक परियोजना में, 95% समय योजना का होता है और केवल 5% निष्पादन का। शास्त्रीय 20:80 सिद्धांत आज भी शांत शक्ति के साथ लागू है: सही क्रम में किए गए कार्यों का छोटा प्रतिशत स्थायी परिणामों का अधिकांश भाग उत्पन्न करता है।

सफलता का मार्ग एक स्पष्ट और अपरिहार्य क्रम का अनुसरण करता है:

- करने से आरंभ करें (भले ही पहले प्रयास अपूर्ण हों)
- जीवित अनुभव प्राप्त करें
- ईमानदार प्रतिक्रिया प्राप्त करें परिष्कृत
- सही निर्णय लें
- और तभी... मंजिल पर पहुँचें

क्रम छोड़ दें या उलट दें, और मंजिल सदैव दूर रहेगी, चाहे कितना भी कठिन परिश्रम किया जाए।

“By failing to prepare, you are preparing to fail.” — Benjamin

Franklin “तैयारी करने में विफल होकर, आप विफल होने की तैयारी कर रहे हैं।” —

बेंजामिन फ्रैंकलिन **Reflection: Where in your life are you cutting before measuring?** चिंतन: आपके जीवन में कहाँ आप नापने से पहले काट रहे हैं?

Day 4

Interdependence Toward Humanity

मानवता की ओर परस्पर निर्भरता



Subjects are not isolated islands floating in separate seas; they are interdependent streams that ultimately flow toward the ocean of humanity.

Knowledge of one domain quietly illuminates the path to a right decision in another — a decision that saves time, reduces effort, and multiplies impact. People, tools, systems, and shared understanding are required to carry that decision from idea to reality.

Between pure knowledge and effective action stand two essential companions: empathy (Emotional Quotient) and spiritual awareness (Spiritual Quotient). Critical thinking alone remains incomplete without humanity and inner clarity. The mind calculates; the heart and spirit orient the calculation toward what truly matters.

विषय अलग-अलग द्वीप नहीं हैं जो अलग समुद्रों में तैर रहे हों; वे परस्पर निर्भर धाराएँ हैं जो अंततः मानवता के महासागर की ओर बहती हैं।

एक क्षेत्र का ज्ञान चुपचाप दूसरे में सही निर्णय का मार्ग प्रकाशित करता है — एक ऐसा निर्णय जो समय बचाता है, प्रयास कम करता है और प्रभाव को बढ़ाता है। लोगों, उपकरणों, प्रणालियों और साझा समझ की आवश्यकता होती है उस निर्णय को विचार से वास्तविकता तक पहुँचाने के लिए।

शुद्ध ज्ञान और प्रभावी कर्म के बीच दो आवश्यक साथी खड़े हैं: सहानुभूति (भावनात्मक गुणांक) और आध्यात्मिक जागरूकता (आध्यात्मिक गुणांक)। केवल आलोचनात्मक चिंतन मानवता और आंतरिक स्पष्टता के बिना अपूर्ण रहता है। मन गणना करता है; हृदय और आत्मा उस गणना को उस दिशा में उन्मुख करते हैं जो वास्तव में महत्वपूर्ण है।

Consider a simple yet profound engineering truth: the height of a distant tower can be measured without sending a single person there. Only the angle of inclination and a known reference height are required. One precise observation, rightly applied through geometry, reveals what appears unreachable.

Wisdom reduces distance. Empathy reduces separation. Together they make the impossible practical.

एक सरल किंतु गहन अभियांत्रिकी सत्य पर विचार करें: दूर स्थित मीनार की ऊँचाई बिना किसी व्यक्ति को वहाँ भेजे मापी जा सकती है। केवल झुकाव का कोण और एक ज्ञात संदर्भ ऊँचाई पर्याप्त है। एक सटीक अवलोकन, ज्यामिति के माध्यम से सही ढंग से लागू किया जाए, तो जो अप्राप्य लगता है उसे प्रकट कर देता है।

ज्ञान दूरी कम करता है। सहानुभूति अलगाव कम करती है। साथ मिलकर वे असंभव को व्यावहारिक बना देते हैं।

“No man is an island, entire of itself.” — John Donne

“कोई भी मनुष्य स्वयं में एक द्वीप नहीं है।” — जॉन डन

Reflection: Which two fields of knowledge, when joined, could solve a problem you face?

चिंतन: ज्ञान के कौन से दो क्षेत्र, जब जुड़ें, तो आपकी समस्या का समाधान कर सकते हैं?

Day 5

Leverage Over Mere Effort

मात्र प्रयास से ऊपर उत्तोलन



Leverage Insight

Warren Buffett reportedly spends ~80% of his working day reading. One high-quality decision can create more value than years of low-leverage effort.

उत्तोलन अंतर्दृष्टि

वॉरेन बफेट अपने कार्य दिवस का लगभग 80% पढ़ने में बिताते हैं। एक उच्च-गुणवत्ता वाला निर्णय वर्षों के निम्न-उत्तोलन प्रयास से अधिक मूल्य सृजित कर सकता है।

Two paths stand before every seeker of prosperity and meaning:

The conventional path: Save money. Sell your time hour by hour. The predictable result — you will rarely become truly rich, either in resources or in freedom.

The modern path: Invest your money wisely. Save and multiply your time through high-leverage, 1× right decisions. The result — wealth, time, and impact become possible.

The gist is clear and urgent: hard work alone is no longer the primary need of the hour. It has been quietly replaced by the quality of leverage you create — how and what multiplies your effort without multiplying your hours.

Today the decisive act is taking the right decision at the right moment. Success then flows as a natural consequence. Feedback arrives. Experience deepens. And only then comes refined, higher-quality action.

Do not simply work harder. Work with greater leverage. One well-placed decision can outperform years of undirected effort.

समृद्धि और अर्थ के प्रत्येक साधक के सामने दो मार्ग खड़े हैं:

परंपरागत मार्ग: धन बचाएँ। अपना समय घंटे-घंटे बेचें। अनुमानित परिणाम — आप शायद ही कभी सच में धनी बनेंगे, चाहे संसाधनों में या स्वतंत्रता में।

आधुनिक मार्ग: अपना धन बुद्धिमानी से निवेश करें। उच्च-उत्तोलन वाले, 1× सही निर्णयों के माध्यम से अपना समय बचाएँ और गुणा करें। परिणाम — धन, समय और प्रभाव संभव हो जाते हैं।

सार स्पष्ट और अत्यावश्यक है: केवल कठोर परिश्रम अब समय की प्राथमिक आवश्यकता नहीं है। इसे उस उत्तोलन की गुणवत्ता ने चुपचाप प्रतिस्थापित कर दिया है जो आप सृजित करते हैं — कैसे और क्या आपके प्रयास को आपके घंटों को गुणा किए बिना बढ़ाता है।

आज निर्णायक कार्य सही क्षण पर सही निर्णय लेना है। फिर सफलता स्वाभाविक परिणाम के रूप में बहती है। प्रतिक्रिया आती है। अनुभव गहरा होता है। और तभी परिष्कृत, उच्च-गुणवत्ता वाला कर्म आता है।

केवल कठिनतर कार्य न करें। अधिक उत्तोलन के साथ कार्य करें। एक सही स्थान पर रखा गया निर्णय वर्षों के दिशाहीन प्रयास से बेहतर प्रदर्शन कर सकता है।

“Give me a lever long enough and a fulcrum on which to place it, and I shall move the world.”

— Archimedes

“मुझे पर्याप्त लंबा उत्तोलक और एक आधार बिंदु दो, और मैं संसार को हिला दूँगा।” — आर्किमिडीज़ **Reflection:**

What one decision, if made today, would multiply your results for months? चिंतन: आज

लिया गया कौन सा एक निर्णय महीनों तक आपके परिणामों को गुणा कर सकता है?

Day 6

From Accidental to Purposeful

आकस्मिक से उद्देश्यपूर्ण की ओर

An accidental engineer is one who entered a profession largely by circumstance, family expectation, or the path of least resistance, yet remained long enough — and curious enough — to discover a deeper calling hidden inside the work.

Purpose is not always a grand announcement from the heavens. Often it is the quiet, repeated decision to prioritize books before bread, careful planning before hasty action, and wisdom before mere accumulation of things.

When knowledge of one subject is deliberately used to serve humanity, when the proper sequence is respected, and when intelligent leverage replaces brute force, purpose begins to crystallize from the mist of daily routine.

You need not abandon what you are or what you have become. You need only ask a different question: How can what I already know and already do serve something larger than myself?

The accidental becomes purposeful the moment conscious intention replaces unconscious habit.

एक आकस्मिक अभियंता वह है जो मुख्यतः परिस्थितियों, पारिवारिक अपेक्षा या कम से कम प्रतिरोध के मार्ग से एक पेशे में प्रवेश करता है, फिर भी इतना लंबे समय तक रहता है — और इतना जिज्ञासु रहता है — कि कार्य के भीतर छिपी एक गहरी बुलाहट खोज ले।

उद्देश्य हमेशा स्वर्ग से आने वाली भव्य घोषणा नहीं होता। अक्सर यह रोटी से पहले पुस्तकें, जल्दबाजी वाले कर्म से पहले सावधानीपूर्ण योजना, और वस्तुओं के मात्रा संचय से पहले ज्ञान को प्राथमिकता देने का शांत, बार-बार लिया गया निर्णय होता है।

जब एक विषय का ज्ञान जानबूझकर मानवता की सेवा में उपयोग किया जाता है, जब उचित क्रम का सम्मान किया जाता है, और जब बुद्धिमान उत्तोलन क्रूर बल की जगह लेता है, तब उद्देश्य दैनिक दिनचर्या की धुंध से क्रिस्टलीकृत होने लगता है।

आपको जो आप हैं या जो आप बन गए हैं उसे छोड़ने की आवश्यकता नहीं। आपको केवल एक अलग प्रश्न पूछना है: मैं जो पहले से जानता हूँ और पहले से करता हूँ, वह मेरे से बड़े किसी कार्य की सेवा कैसे कर सकता है?

आकस्मिक उस क्षण उद्देश्यपूर्ण बन जाता है जब सचेत इरादा अचेतन आदत की जगह ले लेता है।

“The two most important days in your life are the day you are born and the day you find out why.” — Mark Twain

“आपके जीवन के दो सबसे महत्वपूर्ण दिन हैं: वह दिन जब आप जन्म लेते हैं और वह दिन जब आप जानते हैं क्यों।” — मार्क ट्वेन

Reflection: What accidental skill of yours could become intentional service?

चिंतन: आपकी कौन सी आकस्मिक कौशल जानबूझकर सेवा बन सकती है?

Day 7

Search for Meaning in Yourself

स्वयं में अर्थ की खोज

Meaning is not found solely in the outer world of achievement and recognition. It is recognized, often quietly, when outer knowledge meets inner stillness and the two begin to speak the same language.

The billionaire of wisdom is not the person who owns the largest collection of books, but the one who has allowed those books to rearrange the furniture of the mind and, through that rearrangement, to change the way life is lived.

Sequence, leverage, interdependence of knowledge, and the humility to learn even from a child — all these are powerful tools. The true destination is the quiet, unshakable recognition: I am more than what I do. I am what I choose to understand, to value, and to become.

Spend these seven days not merely reading the words, but listening between them. Somewhere between the English and the Hindi, between the planning and the action, between the question and the silence, a clearer voice may speak.

That voice is yours. It has been waiting for you to slow down long enough to hear it.

अर्थ केवल उपलब्धि और मान्यता के बाहरी जगत में नहीं मिलता। यह अक्सर शांत रूप से तब पहचाना जाता है जब बाहरी ज्ञान आंतरिक स्थिरता से मिलता है और दोनों एक ही भाषा बोलने लगते हैं।

ज्ञान का अरबपति वह व्यक्ति नहीं है जिसके पास पुस्तकों का सबसे बड़ा संग्रह है, बल्कि वह है जिसने उन पुस्तकों को मन के फर्नीचर को पुनर्व्यवस्थित करने दिया है और उस पुनर्व्यवस्था के माध्यम से जीवन जीने के तरीके को बदल दिया है।

क्रम, उत्तोलन, ज्ञान की परस्पर निर्भरता, और बच्चे से भी सीखने की विनम्रता — ये सब शक्तिशाली उपकरण हैं। सच्ची मंजिल है वह शांत, अडिग पहचान: मैं जो करता हूँ उससे अधिक हूँ। मैं वह हूँ जो मैं समझना, मूल्य देना और बनना चुनता हूँ।

इन सात दिनों को केवल शब्दों को पढ़ने में नहीं, उनके बीच सुनने में व्यतीत करें। अंग्रेजी और हिंदी के बीच, योजना और कर्म के बीच, प्रश्न और मौन के बीच कहीं, एक स्पष्ट स्वर बोल सकता है।

वह स्वर आपका है। वह प्रतीक्षा कर रहा है कि आप इतना धीमा हो जाएँ कि उसे सुन सकें।

“The privilege of a lifetime is to become who you truly are.” — Carl Jung

“जीवन का विशेषाधिकार यह है कि आप वही बनें जो आप वास्तव में हैं।” — कार्ल युंग

Reflection: What question has been waiting inside you for years?

चिंतन: कौन सा प्रश्न वर्षों से आपके भीतर प्रतीक्षा कर रहा है?

A Closing Thought

एक समापन विचार

In the end, the greatest discovery is the meaning you find within yourself.

Walk the path of the Accidental Engineer — purposeful, reflective, humble, and ever-learning.

May these seven days light the lamp that was already burning inside you. Measure twice. Invest in wisdom. Learn from the young. Serve with empathy and leverage. And above all — choose understanding over mere accumulation.

The sequence of a meaningful life begins with one conscious decision.

अंत में, सबसे बड़ी खोज वह अर्थ है जो आप स्वयं के भीतर पाते हैं।

आकस्मिक अभियंता के मार्ग पर चलें — उद्देश्यपूर्ण, चिंतनशील, विनम्र, और निरंतर सीखते हुए।

ये सात दिन उस दीपक को जलाएँ जो आपके भीतर पहले से जल रहा था। दो बार नापें। ज्ञान में निवेश करें। युवाओं से सीखें। सहानुभूति और उत्तोलन के साथ सेवा करें। और सबसे ऊपर — मात्र संचय से ऊपर समझ को चुनें।

एक सार्थक जीवन का क्रम एक सचेत निर्णय से आरंभ होता है।

Dr. Rajju Kumar
An Accidental Engineer

डॉ. रज्जू कुमार एक आकस्मिक अभियंता

Week of Wisdom

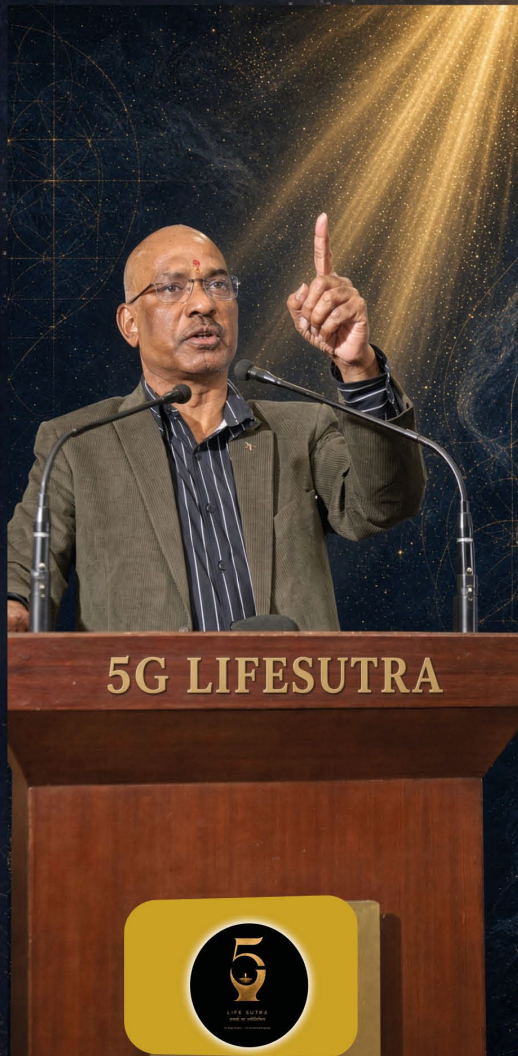
और अंत में प्रश्न

- 1- क्या आप जो काम कर रहे हैं उसके प्रति पैशनेटेड (passionated) हैं ?
- 2- जो लोग चाहते हैं जो दूसरे के जीवन में परिवर्तन ला सकता है वैसा काम कर रहे हो?
- 3- उपरोक्तानुसार जो काम कर रहे हो वह क्या मूल्य (आर्थिक मूल्य सहित) पैदा कर रहा है?

इन प्रश्नों के उत्तर के लिए खाली पेज दी जा रही है इस खाली पेज में अपना उत्तर का संपूर्ण विवरण इस ई-मेल पर भेजें rajjuchoudhary81@gmail.com

सर्वोत्तम जवाब को 5जी लाईफ सूत्रा द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा।

[illegible]



डॉ. रज्जू कुमार (राज)

एन एव सी डी टेल इंजीनियर

लेखक अमेजन बेस्ट सेलर बुक
(जीवन के 20+1 सूत्र)

जीवन वृत्तान्त (प्रोफाइल)

- बौद्ध बनाने वाली का पुत्र।
- देशबन्धु प्रतिभा प्रोत्साहन से शिक्षा।
- कैरियर को शुरूआत वायु से अफसर तक।
- बेस्ट सेलर बुक के ऑथर

पोडकास्ट (Podcast)

- टाइम्स ऑफ इंडिया (स्पीकिंग ट्री) @ फिल्म सिटी नोएडा
- गोलडन हेट

शिक्षा

- बी.ई. पी.जी.डी.सी.ए., पी.जी.डी.बी.एम., एम.ए., पी.एच.डी.

सम्पत्ति (पद)

- Dy Chief Inspector of Factories, Govt of CG शासन रायपुर।
(Class one officer in CG. Govt.)

अवार्ड

- दैनिक भास्कर EMINENCE AWARDS CHHATTISGARH 2026 (Public Administration & Inspiring Leadership Excellence)
- Excellent Natural leader of the year by UNICEF alliance Partner
- Mentorship Awards 2026 SITAR SE सितारों तर्क (कथक धरोहर) Supported by Art Culture & Languages (Government of Delhi)
- विद्यामक्रांति 'युवा रत्न' सम्मान (सिंगरौली मध्य प्रदेश)
- सोशल सितार (न्यूज 24)

- Global Leader Award by ETNow
- Asia Excellence Awards-2023 by MTTV India
- Legend of India Award Success Height
- National brand Ambassador BBS by BESAFE with NITIE & DGFASLI (Mumbai)
- Inspiring Global Icon by MS Global Entertainment
- Lifetime Achievement Award (by ohssai)
- Safety Hero Award by Geonka University (Gurgaon)
- Best Motivational Speaker & Inspiring Engineer by ISEI
- First Motivational Speaker of Chattisgarh
- Known as an Accidental Engineer
- Ex Faculty of sociology in IAS, UPSC/ PSC Institutes
- YUVA (free coaching) Institute founder member
- CG Kala Gaurav Award
- Josh Talk
- (भारत का पहला Government Officer)
- सर्वश्रेष्ठ छात्र की उपाधि।
- बेस्ट ऑफिसर का अवार्ड (अखिल भारतीय अखिलता संघ द्वारा)।
- कॉविड आपातकाल में विशिष्ट योगदान के लिए अवार्ड।
- छत्तीसगढ़ कला गौरव अवार्ड।
- देशबन्धु प्रतिभा प्रोत्साहन सम्मान एवं अन्य सम्मान सामाजिक योगदान के लिये।
- रिसर्चर्स पर्सन।

विशेष योगदान

- छात्र रहते हुये स्कूलों में निःशुल्क शिक्षा।
- हर वर्ष करीब पाँच बच्चों के शिक्षा शुल्क प्रदान करना।
- राष्ट्रीय स्तर पर सेमिनार का आयोजन।
- भारत वर्ष में प्रथम ISO Industrial Hygiene Lab कार्यालय की स्थापना।
- शासकीय ऑफिस को जनमुखी एवं आसान बनाने में

योगदान।

- कोविड अवधि में फंसे हुवे मजदूरों, छात्र-छात्राओं एवं अन्य लोगों को तीन माह तक निःशुल्क भोजन की व्यवस्था अपने प्रयास से।
- दूरदर्शन एवं अन्य प्लेटफॉर्म में अनेक विषयों पर परिचर्चा।
- जेसीज क्लब में सक्रिय पदाधिकारी।
- गॉल्डन पीकाक क्लब के अध्यक्ष करीब 10 वर्ष निरंतर।

उपलब्धि

- सिम्बायोसिस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी में लेक्चर
- प्रथम छत्तीसगढ़ी मोटीवेशनल स्पीकर
- हजारों अधिकारी, छात्रों, मेनेजमेंट ट्रेनीज, शासकीय एवं निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रशिक्षण एवं मोटीवेशन
- छत्तीसगढ़ टेक्नीकल यूनिवर्सिटी दुर्ग
- शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, रायपुर एवं अम्बिकापुर
- रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी रायपुर
- झुलेलाल इंस्टीट्यूट
- कलिंगा युनिवर्सिटी
- MATS युनिवर्सिटी
- मल्टीनेशनल कंपनियों में लीडरशिप कोच
- M.V.A. में लेक्चर
- Global HRD CG Chapter

सरकारी उपक्रम

- कॉर्पोरेट हाऊसेस एवं अन्य स्थानों में।
- WRS रेलवे अधिकारियों को **Offline** एवं **Online** के माध्यम से पूरे भारत वर्ष के अधिकारियों को मोटीवेट किया।
- नवभारत टाइम्स एवं विभिन्न मैगजीन्स में निरंतर साप्ताहिक आलेख का प्रकाशन।
- कोविड-19 के अवधि में तीन माह तक प्रतिदिन हजारों लोगों को भोजन। इस दौरान फूडवार-रूम के माध्यम से अन्न एवं अन्य योजना का कुशल संचालन।

न्यूज पेपर

- नवभारत
- टाइम्स ऑफ इंडिया (दिल्ली)
- दैनिक भास्कर

पहचान

- An Accidental Engineer के तौर पर 5Glif Sutra YouTube के माध्यम से।
- कोलाबारी (छत्तीसगढ़ी गीत)
- मेरी मधुशाला (हिन्दी गीत)
- पापा तुम झुठे हो
- अब कोई नहीं आएगा (अधूरी प्रेम कहानी)
- आसां नहीं शहर में जिंदा रहना (हिन्दी सांग)
- ओ मेरी मां (हिन्दी सांग)

} रचनाकार

रील लाइफ

- आखरी खत
- मां से लिपट जाऊं बच्चा हो जाऊं
- हीरे की तलाश
- दूरदर्शन, न्यूज 24 एवं अन्य चैनलों में विभिन्न
- दूरदर्शन, न्यूज 24 एवं अन्य चैनलों में विभिन्न अवसरों पर साक्षात्कार के लिये आमंत्रित।
- Youtube Channel- 5glifesutra
- Website - www.5glifesutra.com
- यूनीसैफ- International Organization में मोटीवेशन।
- Email- rajjuchaudhary81@gmail.com
- Mobile - 9479164532, 9109862463

} Documentary

} हिन्दी

स्कील (Skills)

- औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विशेषज्ञ।
- हार्डिजन विशेषज्ञ।
- मोटिवेशनल स्पीकर।
- आई.ए.एस. एवं पी.एस.सी. में सोसलॉजी एक्सपर्ट।
- लिंकडीन प्रोफेशनल सोसल मिडिया में 5000 से अधिक फॉलोवर्स।
- अमेजन बेस्ट सेलर बुक 'जीवन के 20+1 सूत्र' के ऑथर
- अप कॉमिंग बुक - 'स्वयं को जानो' (Redefine your self)

सोशल नेटवर्किंग

- Youtube - 5glifesutra
- Facebook- Rajju kumar
- Instagram - 5g_lifesutra
- LinkedIn- 5glifesutra rajju kumar